जयपुर मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड

दिनांकः 15.06.2015

जयपुर मेट्रो फीड़र सर्विसः एकीकृत परिवहन की नई परिकल्पना

मानसरोवर स्टेशन से ई–रिक्शा सेवायें शुरू हुई

आज मानसरोवर स्टेशन से जयपुर मेट्रो फीड़र सर्विस के रूप में 6 ई–रिक्शा की शुरूआत की गई। मेट्रो प्रशासन ने ई–रिक्शा का संचालन के तीन रूट मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से यथा ई–01 (मानसरोवर से वी.टी. रोड़ तक वाया रजत पथ/मध्यम मार्ग), ई–02 (डी.सी.एम. तक वाया अजमेर रोड़/ रानीसती नगर) एवं ई–03 (विद्युत नगर तक वाया प्रिंस रोड़/ पुरानी चुंगी) अनुमोदित किये है। यह शुरूआती 6 ई–रिक्शा ई–01 रूट पर चलाये जायेगें। शीघ्र ही मानसरोवर स्टेशन से ई–रिक्शाओं की संख्या बढाने के साथ तीनों ही अनुमोदित रूटों एवं अन्य 8 मेट्रो स्टेशनों से भी ई–रिक्शा शुरू किये जायेगें। जयपुर मेट्रो प्रशासन ने आगामी तीन माह के अन्दर सभी अनुमोदित मार्गों पर 100 ई–रिक्शा एवं 80 टाटा मेजिक टाईप वाहनों को चलाने की कार्यवाही भी शुरू कर दी है।

जहां टाटा मेजिक टाईप वाहन के लिए फिक्स्ड 10 रूपया प्रति पैसेन्जर किराया रखा गया है, वहीं ई–रिक्शा हेतु शुरूआती प्रथम तीन माह के लिए फिक्स्ड 5 रूपया प्रति यात्री (20 रूपया, 4 यात्रियों के लिए प्रति ई–रिक्शा) तथा तीन माह के बाद फिक्स्ड 7 रूपया प्रति यात्री (28 रूपया, 4 यात्रियों के लिए प्रति ई–रिक्शा) निर्धारित किया है।

जयपुर मेट्रो प्रबन्धन द्वारा प्रतिदिन 100 ई–रिक्शा द्वारा 10 से 12 हजार एवं चार पहिया टाटा मेजिक टाईप वाहन से 18 से 20 हजार, कुल 30 से 35 हजार यात्री जयपुर मेट्रो फीडर सेवा का उपयोग करेगें।

जयपुर मेट्रो फीडर सेवा मांग के अनुसार सुबह 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक चलेगी।

3 जून 2015 से राजस्थान सरकार द्वारा राजधानी जयपुर के नागरिकों के लिये विश्वस्तरीय मेट्रो रेल सेवा, जो प्रदूषण रहित, कम यात्री खर्च एवं समयपालनता की पहचान के रूप में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के तहत मानसरोवर से चांदपोल रूट (10 किमी मार्ग में) प्रारम्भ की गई। जयपुर मेट्रो भारत की छठी मेट्रो है। वर्तमान में मेट्रो रेल की सुविधा केवल केवल दिल्ली, मुंबई, कोलकत्ता, गुडगांव एवं बैगलोर के नागरिको को ही उपलब्ध है। भारत में जयपुर से भी जनसंख्या के हिसाब से कई बड़े शहर जैसे चैन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद, पुणे, कानपुर आदि में मेट्रो रेल नही है।

जयपुर मेट्रो एक नये एवं बदलते राजस्थान की गौरवमयी पहचान है। इससे जयपुर में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही मेट्रो रूट के दोनो तरफ एक नई स्काई लाइन का सृजन हो रहा है, जिससे आधुनिकता के साथ विरासत का एक अद्भुत सगंम होगा।

जयपुर मेट्रो का फेज–1ए (10 किलोमीटर) यात्री परिचालन की दृष्टि से कई तरह से अनूठा है। जहाँ इसका एक छोंर सबसे बड़ी आवासीय कॉलोनी मानसरोवर, वही दूसरा छोर गुलाबी नगर के व्यापार एवं विरासत को समेटे परकोटे के द्वार, चांदपोल से जुड़ा है। इस मेट्रो मार्ग में सार्वजनिक यातायात के दो सबसे बड़े केन्द्र, भारतीय रेलवे का जयपुर जंक्शन एवं राजस्थान रोड़वेज का सिंधी केम्प बस स्टेण्ड है, जहाँ से यात्री भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक जा सकते है। इसके अलावा व्यापारिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सोडाला, श्यामनगर, न्यू आतिश मार्केट, सिविल लाईन्स, बाईस गोदाम, एम.आई.रोड़, कलेक्टरेट, न्यायिक परिसर आदि एरिया भी इसकी पैदल परिधि में है।

राजस्थान सरकार एवं मेट्रो प्रबंधन ने मेट्रो यात्रियों को प्रथम एवं अंतिम माईलेज से जोड़ने की परिकल्पना, जहां घर/कार्यालय से करीब 500 मीटर पैदल चलने पर एक गुणवत्ता वाली एवं कम यात्री किराये की सार्वजनिक मेट्रो फीडर वाहन सेवा उपलब्ध कराने की योजना बनाई है।

जयपुर मेट्रो प्रबन्धन द्वारा मैसर्स आर्वी एसोसिएट्स, हैदराबाद को दिल्ली मेट्रो के मार्फत मेट्रो फीडर सेवा के रूट, संख्या एवं टाईम टेबल आदि का सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट देने हेतु अनुबन्धित किया। इस कम्पनी ने सभी मेट्रो स्टेशनों एवं इनके पास प्रभावी बस ठहरावो पर जाकर निजी तथा सार्वजनिक वाहन, इनके उपयोगकर्ताओं से सर्वे एवं प्रश्नोत्तरी के बाद दिसम्बर 2014 को अपनी रिपोर्ट दी।

इस रिपोर्ट में प्रत्येक मेट्रो स्टेशन हेतु फीडर सेवा के आंकलन में यात्रा का उद्देश्य, फ्रिक्वेन्सी, बस स्टॉप तक कैसे पहुंचते है, इन्तजार समय, क्या मेट्रो में शिफ्ट करेगे आदि के बारे में विस्तृत विवरण दिया गया है। तदानुसार जयपुर मेट्रो प्रशासन ने प्रथम चरण में ई–रिक्शा एवं चार पहिया छोटे टाटा मेजिक टाईप मेट्रो फीडर वाहन सार्वजनिक एवं निजी सहभागिता (पीपीपी) चलाने का निर्णय लिया।

भारत में पहली बार मल्टी मॉडल ट्रेफिक इन्टीग्रेशन की सोच को साकार करने के लिए जयपुर मेट्रो के सभी नौ मेट्रो स्टेशनों पर सार्वजनिक–निजी सहभागिता (पीपीपी) के आधार पर प्रथम चरण में 100 ई–रिक्शा एवं 80 चार पहिया टाटा मेजिक तरह के उत्तम गुणवत्ता वाले सार्वजनिक वाहन, मेट्रो से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिये मेट्रो फीडर सेवा के रूप में चालित होगें।

नवाचार एवं अभिनव पहल के तहत जयपुर मेट्रो प्रबंधन द्वारा मानसरोवर से चांदपोल मेट्रो रेल मार्ग पर स्थित स्टेशनों के दोनों दिशा में करीब 12 किमी परिधि एरिया में स्थित वाणिज्यिक एवं शैक्षिक संस्थानों तथा राजकीय/निजी कार्यालयों में कार्यरत कर्मियों एवं निवासियों के लिए स्वयं का वाहन छोड़कर, एक अनूठी सार्वजनिक मेट्रो फीडर सेवा के तहत ई–रिक्शा (5–6 किमी परिधि में) एवं चार पहिया टाटा मेजिक तरह के वाहनों (करीब 12 किमी परिधि में) का प्रावधान किया है।

जहाँ ई–रिक्शा (चार यात्री क्षमता) वायु एवं आवाज प्रदूषण रहित है, मेट्रो स्टेशनों के दोनों तरफ, घड़ी के चलने एवं रिवर्स दिशा में करीब 5–6 किमी परिधि क्षेत्र में चालित होगे, वही चार पहिया छोटे टाटा मेजिक/महिन्द्रा के बंद वाहन (सात यात्री क्षमता) ई–रिक्शा की ही तरह करीब 12 किमी परिधि क्षेत्र में चलेगे। भविष्य में यह चार पहिया वाहन सी.एन.जी. एवं बिजली से चालित वाहनों से भी बदले जा सकेगे, इसका प्रावधान भी टेन्डर में किया गया है, जो कालान्तर में चालित किये जायेगें।

इस तरह जयपुर मेट्रो ही नही, इसकी मेट्रो फीडर सेवा भी एक हरित एवं स्मार्ट परिवहन के रूप में जयपुर के नागरिकों के लिए उपलब्ध होगी।

जयपुर मेट्रो के प्रशासनिक नियंत्रण में शुरू होने वाली इन दोनो मेट्रो फीडर सेवा के मार्ग के निर्धारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश परिवहन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 13 मई 2015 को जारी किये गये, जिसमें ई–रिक्शा को जयपुर सिटी लिमिट में चलाने तथा चार पहिया टाटा मेजिक टाईप वाहनों हेतु प्रत्येक मेट्रो स्टेशन के लिए अलग से 29 मई 2015 को आदेश जारी किये गये। जयपुर मेट्रो फीडर सेवा के स्वीकृत मार्गों का निर्धारण इस तरह किया गया है कि परिभ्रमण क्षेत्रों में चालित सभी सार्वजनिक परिवहन सेवाये जैसे मेट्रो की ई–रिक्शा एवं चार पहिया टाटा मेजिक सेवा, जेसीटीएसएल की लो फ्लोर बस सेवा एवं निजी मिनी बस सेवा आदि एक दूसरे के पूरक बनते हुए, मार्ग में कम से कम ओवरलेप (अतिक्रमण) करे, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध हो सके। रूट परमिट के आधार पर मेट्रो फीडर सेवा के ठहराव इस तरह से रखे जायेगें कि निजी मिनी बस एवं जेसीटीएसएल की लो फ्लोर बस सेवा से जयपुर शहर के दूरस्थ एरिया में रह रहे नागरिक भी एक रोड़ वाहन इन्टरचेन्ज के साथ मेट्रो रेल यात्रा का लाभ ले सके, जैसे हरमाड़ा से कोई यात्री भारतीय रेल के जयपुर जंक्शन तक कम खर्चे एवं समय में जाना चाहे तो वह जेसीटीएसएल/ मेट्रो फीडर सेवा से मानसरोवर मेट्रो स्टेशन/के पास उतरकर मेट्रो रेल से यात्रा कर कम किराया एवं समय में जयपुर जंक्शन पहुँच सकेगे।

जयपुर मेट्रो फीडर सेवा के वाहन अपने स्वीकृत रूट एवं ठहराव के साथ इस तरह निर्धारित किये गयें है कि आधे घंटे में फीडर वाहन अपनी परिधि का चक्कर लगाकर मेट्रो स्टेशन तक पहुँच सके तथा मेट्रो फीडर सेवा की संख्या भी इस तरह निंयत्रित की जायेगी कि मांग के आधार पर यात्रियो को 10–15 मिनिट से ज्यादा मेट्रो स्टेशन पर इसके लिए इंतजार ना करना पड़े।

परिवहन विभाग, राजस्थान सरकार ने जयपुर मेट्रो फीडर सेवा के किराया निर्धारण का अधिकार जेएमआरसी को दिया है। जेएमआरसी ने निर्णय लिया है कि जेसीटीएसएल की लो फ्लोर नॉन एसी बसों के प्रति किमी किराया से जयपुर मेट्रो फीडर सेवा का किराया अधिक नहीं रखा जायेगा।

जिस तरह जयपुर मेट्रो रेल प्रशासन ने मेट्रो यात्री किराया रू. 5, 10 एवं 15 तथा 8 घंटे तक मेट्रो स्टेशनों पर अधिकतम वाहन पार्किग किराया (स्कूटर रू. 5 एवं कार रू. 15) अन्य सभी समतुल्य व्यवस्थाओं से कम रखा है, वहीं इसी नीति के तहत मेट्रो फीडर सेवा का भी किराया 5/7, एवं 10 रूपया रखा है।

जयपरु मेट्रो फीड़र सर्विस (ई–रिक्शा एवं चार पहिया महिन्द्रा/टाटा मेजिक टाईप वाहन)

भारत में पहली बार मल्टीमॉडल ट्रेफिक इन्टीग्रेशन के तहत पीपीपी आधार पर जयपुर मेट्रो द्वारा सभी 9 स्टेशनों से मेट्रो फीडर सेवा के लिए करीब 6 एवं 12 किमी परिधि परिभ्रमण क्षेत्र हेतु प्रथम चरण में क्रमशः 100 ई–रिक्शा एवं 80 चार पहिया टाटामेजिक टाईप छोटे वाहन हेतु सेवा प्रदाता का निर्धारण खुली निविदा प्रक्रिया के तहत (जिसमे सबसे अधिक वार्षिक लाईसेन्स फीस देने वाले) किया गया है, जिसमें सेवा प्रदाता अपने खर्च पर इन वाहनों का क्रय, उपलब्धता, परिचालन एवं अनुरक्षण करेगा। **मैसर्स साईबा ट्रेड विजन जयपुर को दो वर्ष के लिए 100 ई–रिक्शा संचालन रू. 14.40 लाख लाईसेन्स फीस पर दिया गया है, वही मैसर्स आर.एस.एसोसिएट्स, जयपुर को 80 चार पहिया टाटामेजिक टाईप फीडर वाहन सेवा का संचालन 17.28 लाख रूपये लाईसेन्स फीस पर आंवटित किया गया।**

मांग के आधार पर फीडर वाहनों की संख्या में वृद्धि का भी प्रावधान है, तद्नुसार प्रोरेटा लाईसेन्स फीस में भी वृद्धि होगी।

परिवहन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा अनुमोदित **तीन पहिया प्रिन्स एवं क्वीन मॉडल का ई–रिक्शा** जो कि मैसर्स गोयनका कम्पनी दिल्ली का है, तथा **टाटा मेजिक (8 सीटर बीएस–3 मॉडल के सभी तीन वेरियन्ट) जो टाटा मोटर्स कम्पनी की है या महिन्द्रा मेक्सिमो (बीएस–3 मॉडल) जो महिन्द्रा कम्पनी** की है, को ही जयपुर मेट्रो फीडर सेवा के रूप में जेएमआरसी ने प्राटोटाईप अनुमोदित किया है।

जयपुर मेट्रो फीडर सेवा के दोनो ही तरह के वाहन, ई–रिक्शा तथा टाटा मेजिक/महिन्द्रा मेक्समो कवर्ड एवं फाईवर बाडी के है, इसमें सभी आमजन जो मेट्रो रेल का उपयोग करना चाहते हैं, बिना किसी सकुचाहट के मेट्रो स्टेशनों पर पहुंच सकेगें। यात्रियों की सुगमता एवं मेट्रो फीडर सेवा पहचान की एकरूपता रखने के लिए सभी ई–रिक्शा एवं चार पहिया टाटा मेजिक टाईप वाहन एक स्टेशन से एक ही रंग एवं प्रकार के चलेगे ताकि इससे जयपुर मेट्रो के साथ इस मेट्रो फीडर सेवा को भी विशिष्ठ पहचान मिले।

सेवा प्रदाता द्वारा सभी ई–रिक्शा/चार पहिया फीडर वाहन चालकों के पास अधिकृत लाइसेन्स के साथ, उनके चरित्र प्रमाणीकरण का कार्य भी, चालन से पूर्व पुलिस विभाग द्वारा जयपुर मेट्रो प्रबंधन के सहयोग से कराया जायेगा है।

इन ई–रिक्शा/चार पहिया फीडर वाहन सेवा का परिचालन सही तरह से नियंत्रित हो, इसके लिए सेवा प्रदाता के खर्च पर 6X6 फीट की सहायता केबिन का प्रावधान एवं प्रबंधन तथा बेटरी चार्जिग पोईन्ट (विद्युत खर्च सेवा प्रदाता द्वारा) भी उपलब्ध कराये जायेगें।

सेवा प्रदाता जयपुर मेट्रो फीडर वाहन में रिक्ति/उपलब्धता के आधार पर मार्ग में ठहराव से किसी भी यात्री को उपयोग करने देगा, लेकिन मेट्रो स्टेशन तक यात्रा करने वालों को प्राथमिकता दी जायेगी। इस प्रावधान से मेट्रो स्टेशनों के परिभ्रमण क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को जयपुर मेट्रो फीडर सेवा के रूप में एक सुरक्षित सुलभ एवं कम खर्च पर सार्वजनिक परिवहन सेवा मिलेगी।

मेट्रो फीडर सेवा में लगने वाले ई–रिक्शा एक वर्ष एवं चार पहिया टाटा मेजिक टाईप वाहन 3 वर्ष से ज्यादा पुराने नही होगे, लेकिन प्राथमिकता से सेवा प्रदाता को नये वाहन उपलब्ध कराने को कहा है।

इस जयपुर मेट्रो फीडर सेवा पर रूट नम्बर, रूट मार्ग जयपुर मेट्रो का लोगो आदि जो दिन एवं रात्रि में दिख सके का प्रावधान किया गया हैं। संबधित मेट्रो स्टेशनों पर भी इन फीडर सेवा का रूट नम्बर, किराया सूची, टाइम टेबल आदि मेट्रो टाईम टेबल के साथ दर्शित किया जायेगा, ताकि यात्रियों को सुगमता रहें।

जयपुर मेट्रो फीडर सेवा वाहन में एक प्राथमिक उपचार किट, वाहन का रजिस्ट्रेशन एवं चालक लाइसेन्स प्रमाण–पत्र तथा शिकायत पुस्तिका आदि भी उपलब्ध रहेगी।

जयपुर मेट्रो फीडर सेवा के वाहन के अन्दर वाहन का रजिस्ट्रेशन नं0, महिला हेल्पलाईन नं0, मेट्रो स्टेशनों के ग्राहक सेवा केन्द्रों के नम्बर आदि भी दर्शित होगे ताकि महिला एवं पुरूष यात्रियो को उपयुक्त एवं सुरक्षित सेवा सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा परिवहन विभाग, यातायात पुलिस, नगर निगम एवं जयपुर मेट्रो द्वारा समय समय पर लागू निर्देश भी इन फीडर सेवाओं पर प्रभावी होगे।

जयपुर मेट्रो फीडर सेवा का यात्री किराया संशोधन एक वर्ष में केवल एक बार ही किया जा सकेगा तथा यह जेसीटीएसएल की नॉन एसी बस सेवा के प्रति किमी किराये से कभी भी अधिक नही होगा। जयपुर मेट्रो फीडर सेवा केवल स्वीकृत मार्ग एवं ठहराव पर ही चालित होगी। यात्रियों द्वारा मेट्रो फीडर सेवा के उपयोग पर निर्धारित किराया नकद देने पर ही जयपुर मेट्रो प्रबंधन द्वारा अनुमोदित टिकिट प्रणाली (इलेक्ट्रोनिक/पेपर मुद्रित) के टिकिट सेवा प्रदाता द्वारा दिये जोयेगे।

सेवा प्रदाता, यात्रियों की सुरक्षा के लिये सभी मापदंडों की पालना करेगा तथा फीडर वाहन चालक, जयपुर मेट्रो द्वारा समय समय पर जारी **क्या करे** एवं **क्या नही करे** निर्देशों की पालना करेगे।

सेवा प्रदाता या इसके अधिकृत प्रतिनिधि माह में एक बार, स्वीकृत रूट पर अपने वाहनों की सुरक्षा ऑडिट कर जयपुर मेट्रो को रिपोर्ट देगें। फीडर रूट पर वाहन या/और यात्रियों की किसी भी दुर्घटना पर प्रभावी नियमों के प्रति केवल सेवा प्रदाता ही पुर्णतया उत्तरदायी होगा। जयपुर मेट्रो द्वारा फीडर वाहन की दुर्घटना पर सेवा प्रदाता पर पेनल्टी भी लगाई जायेगी ताकि शून्य दुर्घटना सेवा प्रदान कराई जा सके।

सेवा प्रदाता सभी प्रभावी प्रदूषण/पर्यावरण मानकों की पालना करेगा, एवं इसके सभी कर्मी (वाहन चालक/टिकिट प्रदाता/नियंत्रक आदि) जयपुर मेट्रो द्वारा अनुमोदित वर्दी, पहचान पत्र तथा अन्य निर्देशित सुरक्षा मानकों के साथ ही डयूटी पर उपलब्ध रहेगे। यह कर्मी प्राथमिक उपचार, ग्राहक सेवा, आग बुझाने आदि हेतु भी प्रशिक्षित होगे।

सेवा प्रदाता सामान्यता मासिक आधार पर प्रतिदिन 90 प्रतिशत फीडर सेवा ट्रिप उपलब्ध करायेगा, जो कि रविवार/राजकीय अवकाश में 50 प्रतिशत से कम नही होगे।

स्वच्छता मिशन के तहत वाहन गंदे पाये जाने पर प्रति प्रकरण रू. 100/– की पेनल्टी का प्रावधान है। किसी भी समय जयपुर मेट्रो के अधिकृत प्राधिकारी फीडर सेवा का निरीक्षण कर सकेगें एवं वाहन खराब होने पर अगले दिन दुरूस्त कर या नया वाहन सेवा प्रदाता द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।

सेवा प्रदाता के कर्मी किसी भी गैर कानूनी गतिविधियों में सम्मिलित नही होगे तथा यात्रियों से अच्छा व्यवहार करेगें एवं उन्हे सहायता प्रदान करेगे। निर्धारित गति से अधिक गति पर वाहन चालने नही करेगे, सभी निर्धारित ठहराव पर वाहन रोकेगे, एवं वाहन बिना झटका दिये सुरक्षित चलायेगे।

सेवा प्रदाता के फीडर वाहनों, ठहराव स्थलों, स्टेशन सहायता केन्द्रों आदि पर किसी विज्ञापन हेतु जयपुर मेट्रो एवं संबधित स्थानीय प्राधिकृत से अनुमति जरूरी होगी।

सेवा प्रदाता अपने कर्मियों पर लागू सभी सेवा नियमों की पालना सुनिश्चित करेगा। मेट्रो फीडर सेवा वाहन में वाहन चालन कर्मियों एवं यात्रियों के लिए धुम्रपान, तम्बाकू पदार्थो का सेवन, मदिरा एवं अन्य नशीले पदार्थे का सेवन आदि स्वीकार्य नही है। सेवा प्रदाता के कर्मियों का स्वास्थ्य ठीक एवं किसी बीमारी से ग्रसित नही होना चाहिये, जिससे यात्रियों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव न पड़े।

सेवा प्रदाता कोशिश करेगे कि किसी भी यात्री की इन मेट्रो फीडर सेवाओ के बारे में शिकायत नही आनी चाहिये। फीडर सेवी कर्मियों द्वारा किसी दुर्व्यव्हार की शिकायत पर पेनल्टी के अलावा उन्हे हटाने हेतु जयपुर मेट्रो का निर्णय प्रभावी एवं अंतिम होगा।

मेट्रो फीडर सेवा में अपना वाहन चलाने से पहले वाहन कर्मी, वाहन विवरण एवं अपने परिचय पत्र के साथ ग्राहक सेवा केन्द्र, जयपुर मेट्रो को रिपोर्ट करेगें, ताकि इनके चालन/ किसी शिकायत का जयपुर मेट्रो प्रबन्धन द्वारा उचित नियंत्रण रखा जा सके।

सेवा प्रदाता एवं उसके कर्मियों द्वारा किसी भी कमी पर विभिन्न पेनल्टियों का प्रावधान रखा गया है ताकि त्रुटिरहित "जयपुर मेट्रो फीडर सेवा" एक एकीकृत सार्वजनिक परिवहन के रूप में जयपुर के मेट्रो यात्रियों को उपलब्ध हो सके।